क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 267, सोमवार, 22 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

घुसपैठ का प्रयास विफल तीन आतंकी ढेर

तीनों आतंकवादी विदेशी मूल के

एजेंसी, श्रीनगर। उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की ओर से आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को सतर्क सुरक्षा बलों ने नाकाम करते हुए तीन विदेशी आतंकवादियों को ढेर कर दिया है।रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने शुक्रवार को बताया कि बारामूला के रामपुर सेक्टर में सुरक्षा बलों के गश्ती दल ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तरफसे भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहे कुछ आतंकवादियों को रुकने की चेतावनी दी लेकिन उन्होंने इसे अनुसना कर दिया और भारतीय सैनिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। कर्नल कालिया ने बताया कि भारतीय सैनिकों ने भी जवाबी कार्रवाई की और इस दौरान तीन आतंकवादी मारे गए। उनके पास से तीन असाल्ट रायफल और अन्य सामग्री बरामद की गई है। तीनों आतंकवादियों के शव बरामद कर लिए।

पेट्रोल पंप लूटने जा रहे दो बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक फरार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की कोतवाली कासना थाना क्षेत्र के सेक्टर सिगमा-4 में शनिवार दोपहर 12 बजे चेकिंग के दौरान पुलिस और बाइक सवार तीन बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक फरार हो गया। एसपी देहात विनीत जायसवाल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश शनिवार को एक पेट्रोल पंप पर 50 लाख की लूट की वारदात को अंजाम देने जा रहे हैं। बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस ने जाल बिछाते हुए वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस को एक बाइक पर सवार कुछ संदिग्ध लोग आते दिखे, पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो वो देशी तमंचे से पुलिस पर फायरिंग कर भागने लगे। इसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी फायरिंग की जिसमें एक बदमाश योगेश के पैर में गोली लगने के बाद पुलिस ने उसे और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, इस दौरान एक बदमाश फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान योगेश और प्रमोद के रूप में हुई है। गिरफ्तार बदमाश ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा के रहने वाले हैं और इन पर हत्या जैसे कई गंभीर अपराधों में लिप्त रहने का आरोप है। बदमाशों से पूछताछ कर पुलिस इनका पिछला आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है।

गाजियाबाद में अपार्टमेंट की 10वीं मंजिल से कूदकर युवक-युवती ने दी जान

गाजियाबाद। गाजियाबाद के राज नगर एक्सटेंशन में शनिवार शाम रिवर हाइट्स अपार्टमेंट की 10 मंजिल से गिरने से एक युवक और युवती ने आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि युवक की जेब से मिले डॉक्यूमेंट्स के आधार पर उसकी पहचान विक्की पुत्र चमन के रूप में की गई है, जबकि युवती की पहचान अभी नहीं हो पाई है। डी कांड', पूरे परिवार ने फांसी लगाकर दी जान।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित मकान की चाबी एक महिला लाभार्थी को सौंपने के बाद अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

लेह में कांग्रेस ने गाड़े झंडे, लद्दाख में बीजेपी नहीं खोल पाई खाता

एजेंसी,जम्मू कश्मीर। जम्मू कश्मीर में इस महीने की शुरूआत में हुए शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा लद्दाख क्षेत्र में अपना खाता खोलने में विफल रही। चुनाव अधिकारियों ने यहां बताया कि इस क्षेत्र में कुल 26 वार्डों में से कांग्रेस ने लेह नगरपालिका समिति में सभी 13 सीटों पर जीत दर्ज हासिल की। पार्टी ने नजदीक के करगिल जिले में भी पांच वार्डों में जीत दर्ज की। अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में छह सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। केवल दो सीटों पर परिणाम नहीं आये हैं। लद्दाख लोकसभा सीट से भाजपा के थुपस्तान छेवांग सांसद हैं। हालांकि 2014 में राज्य में हुये विधानसभा चुनाव में इस संसदीय सीट के चार विधानसभा क्षेत्रों में से तीन पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। चौथी विधानसभा सीट पर एक निर्दलीय विधायक ने जीत दर्ज की थी। कश्मीर संभाग में 208 वार्ड में संपन्न मतदान के बाद कांग्रेस ने 70 वार्ड में जीत हासिल की, 53 वार्ड में निर्दलीयों ने बाजी मारी और भाजपा 21 सीटें जीत पाई। जनता दल यू को एक सीट मिली है।

मतगणना को लेकर पुख्त इंतजाम

मतगणना को देखते हुए मतगणना स्थल के चारों तरफसुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और प्रशासन की तरफसे जारी पास की जांच के बाद ही लोगों को भीतर जाने की अनुमति दी जा रही है। इन चुनावों में नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकप) ने हिस्सा नहीं लिया। इन पार्टियों का आरोप था कि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 35 ए के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है।

मालेगांव विस्फोट मामले के अभियुक्त पुरोहित की याचिका को खारिज

एजेंसी,मुंबई। एनआईए की एक विशेष अदालत ने यहां शनिवार को लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत उनके विरूद्ध सुनवाई के लिए अभियोजन मंजूरी की वैधता को चुनौती दी थी। पुरोहित 2008 मालेगांव विस्फोट मामले के अभियुक्त हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत के न्यायाधीश विनोद पडलकर ने मामले में पुरोहित और अन्य आरोपियों की दलीलें सुनने के बाद उनकी याचिका को खारिज कर दिया।

अदालत ने मामले में सुनवाई की अगली तारीख 26 अक्टूबर तय की है।

बंबई उच्च न्यायालय ने पिछले महीने पुरोहित की उस याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने मामले में अपने और अन्य आरोपी के खिलाफ निचली अदालत में आरोप तय करने से रोकने की मांग की थी। एनआईए की अदालत को पुरोहित और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने थे लेकिन अभियोजन मंजूरी की वैधता को लेकर अभियुक्त की आपत्तियों के बाद इसे टाल दिया गया था। पूर्व में पुरोहित के अभियोजन पक्ष के लिए स्वीकृति की आवश्यकता थी क्योंकि वह उस समय एक सेवारत सेना अधिकारी थे। महाराष्ट्र गृह मंत्रालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने 17 जनवरी 2009 को स्वीकृति प्रदान की थी। महाराष्ट्र के नासिक जिले में मालेगांव के एक मस्जिद के नजदीक 29 सितंबर 2008 को एक मोटरसाइकिल में बंधे एक विस्फोटक उपकरण में विस्फोट के कारण छह लोग मारे गये थे और करीब 100 लोग घायल हो गये थे। एनआईए की विशेष अदालत ने 27 दिसंबर 2017 को मामले में आरोपों से बरी करने की मांग वाली पुरोहित, सह-आरोपी साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और छह अन्य लोगों की याचिकाओं को खारिज कर दिया था। हालांकि, अदालत ने कठोर प्रावधान वाले महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत सभी आरोपों को हटाते हुये उन्हें आंशिक राहत दिया था।

अमृतसर रेल हादसा: दशहरा देख रहे लोगों पर चढ़ी ट्रेन,

पांच सेकंड में लील ली 61 जिंदगियां

एजेंसी,नई दिल्ली। अमृतसर में दशहरा मेले में जुटी भीड़ पर दौड़ी ट्रेन ने पांच सेकेंड में ही विजय पर्व के उल्लास को मातम में बदल दिया। रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर रावण दहन देख रही भीड़ पर ट्रेन चढ़ गई। ट्रेन की रफ्तार इतनी अधिक थी कि लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला।

जब तक लोग कुछ जान पाते तब तक मौत बन कर दौड़ी ट्रेन अपने पीछे लाशें बिछाकर चली गई। इसमें कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई, जबकि 51 लोग घायल हो गए। मौतों का यह आंकड़ा बढ़ सकता है।

हादसा जोड़ा फाटक के निकट हुआ। मौके पर कम से कम 300 लोग मौजूद थे जो पटरियों के निकट एक मैदान में रावण दहन देख रहे थे।

अफसरों ने बताया कि रावण के पुतले में पटाखे फूटने के बाद भीड़ पीछे की तरफ हटी। इसी बीच जालंधर-अमृतसर लोकल ट्रेन आ गई और लोगों को रौंदती हुई गुजर गई। इससे ठीक पहले दूसरे ट्रैक से अमृतसर-हावड़ा एक्सप्रेस गुजरी थी।

उपजिलाधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि 58 शवों को बरामद किया गया है। मरने वालों में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

शवों के कई टुकड़े हो जाने से मृतकों की सही जानकारी जुटाना मुश्किल हो रहा है। घटना के बाद से ही मौके पर चीख पुकार मच गई, बदहवास लोग अपने करीबियों को तलाशने लगे। क्षत-विक्षत शव घटना के घंटों बाद भी घटनास्थल पर ही पड़े थे क्योंकि नाराज लोग प्रशासन को शव हटाने नहीं दे रहे थे।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख

हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर दुख जताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा, अमृतसर में हुई रेल दुर्घटना को लेकर बहुत दुखी हूं। घटना हृदयविदारक है। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी पूरी सहानुभूति है, और प्रार्थना कर रहा हूं कि जो लोग इसमें घायल हुए हैं, वे जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं। मैंने अधिकारियों को सभी आवश्यक सहायता मुहैया कराने को कहा है। पंजाब सरकार ने हादसे में मरने वालों के परिवार को पांच लाख की सहायता राशि देने का एलान किया है।

5 लाख रुपये सहायता राशि, घायलों का मुफ्त इलाज

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने राहत अभियान की निगरानी के लिए अमृतसर जाने के दौरान कहा कि मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को मुफ्त इलाज सहायता दी जाएगी। इस बीच शिरोमणि अकाली दल के जिला अमृतसर प्रधान गुरप्रताप सिंह टिक्का ने पंजाब के पूर्व मुख्य मंत्री सुखवीर सिंह बादल की तरफसे एलान किया कि घायलों का इलाज शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक समिति के अस्पतालों में मुफ्त इलाज किया जाएगा।

ट्रेन हादसा : हेल्पलाइन नंबर

रेलवे ने परिजनों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं- 0183-2223171, 0183-2564485

मनावला स्टेशन : 73325, 0183-2440024

पावन केबिन अमृतसर : 72820, 1083-2402927

विजय सहोता, एसएसई - 7986897301

विजय पटेल, एसएसई - 7973657316

खूनी रेलवे फाटक

स्थानीय पुलिस के मुताबिक हादसा अमृतसर के जौड़ा फाटक पर हुआ है। हादसा उस वक्त हुआ जब रेलवे ट्रैक के समीप राणव का पुतला जलाया जा रहा था। पुतला दहन देखने के लिए ट्रैक के

पास भारी संख्या में लोग खड़े थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रेन लोगों की भीड़ के पर चढ़ गई। हादसे के बाद मौके पर भगदड़ मच गई। भगदड़ में भी कई लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है।

तेज थी ट्रेन की रफ्तार

हादसे के वक्त वहां मौजूद लोगों ने बताया कि उनकी आंखों के सामने ट्रेन लोगों को रौंदते हुए चली गई। चश्मदीदों की मानें तो ट्रेन की स्पीड बहुत ज्यादा थी।

दशहरा जैसे पर्व पर रेलवे या स्थानीय प्रशासन को रेलवे ट्रैक के समीप बरतनी चाहिए चौकसी

रावण का पुतला दहन रेलवे ट्रैक से काफी दूरी पर होना चाहिए, स्थानीय प्रशासन ने नहीं बरती सावधानी

रावण दहन के दौरान बंद कर देना चाहिए था रेलवे फाटक, भीड़ के हटने के बाद ट्रेन को देना चाहिए था ग्रीन सिग्नल

मौके पर मौजूद सुरक्षा तंत्र की घोर अनदेखी के कारण गई कई लोगों की जान

ट्रेन की गति कम होती तो बच सकती थी कई लोगों की जान

हादसा जोड़ा फाटक के निकट हुआ। मौके पर कम से कम 300 लोग मौजूद थे जो पटरियों के निकट एक मैदान में रावण दहन देख रहे थे। अफसरों ने बताया कि रावण के पुतले में पटाखे फूटने के बाद भीड़ पीछे की तरफ हटी। इसी बीच जालंधर-अमृतसर लोकल ट्रेन आ गई और लोगों को रौंदती हुई गुजर गई।

पटाखों की आवाज में दब गई ट्रेन की आवाज अमृतसर में धोवी घाट के नजदीक जोड़ा फाटक के पास लोग रेलवे लाईन पर खड़े हो कर रावण दहन का अवलोकन कर रहे थे।

इसी दौरान अमृतसर से दिल्ली के लिए रवाना हुई हावड़ा और जालंधर से अमृतसर को आ रही डीएमयू रेलगाड़ी आ गई। बताया जा रहा है कि रावण दहन दौरान चल रहे पटाखों की आवाज के कारण लोगों को रेलगाड़ी आने का पता नहीं चला। जिसके कारण लगभग लोगों की ट्रेन से कटने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

एनएच-24 पर निर्माणाधीन डिवाइडर का बोल्डर गिरने से बच्चे की मौत

ट्रांस हिंडन, एजेंसी। गाजियाबाद जिले के खोड़ा थाना क्षेत्र के एनएच-24 पर निर्माणाधीन डिवाइडर का बोल्डर गिरने से एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह खोड़ा थाने के निकट बन रहे डिवाइडर का बोल्डर अचानक गिरने से पास में ही क्रिकेट खेल रहा एक 12 साल का लड़का इशितखार बोल्डर की चपेट में आ गया।

घटना के करीब एक घंटे बाद कड़ी मशक्कत से बोल्डर के नीचे दबे बच्चे को उसके नीचे से निकालकर गंभीर हालत में वैशाली के मैक्स अस्पताल लेकर जाया गया।

जहां डॉक्टर ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इशितखार के पिता मोहम्मद अमजद की करीब 2 साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। इशितखार की मां जहाना खातून नोएडा सेक्टर-128 की एक फैक्ट्री में काम करती है।

भागलपुर बिहार के रहने वाला इशितखार का परिवार खोड़ा के लोकप्रिय

अपनी बहनों और भाई के साथ इशितखार

विहार में कई सालों से रह रहा है। उसके तीन बहनें और एक भाई है। उसकी बड़ी बहन जेनब (17) नोएडा में निजी कंपनी में काम करती है। उसकी 13 साल की बहन नाजिया ,6 साल की जीनत और 5 साल का भाई आहिल है। एएसपी इंदिरापुरम रवि कुमार ने बताया कि हाईवे पर निर्माण कार्य चल रहा है, इस दौरान शनिवार सुबह करीब 8:00 बजे एक बोल्डर नीचे गिर गया जिसकी चपेट में आने से बच्चे की मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

निर्माण कार्य में लगी कंपनी पर मुकदमा दर्ज

12 वर्षीय बच्चे की कंक्रीट के डेढ़ टन वजनी बोल्डर के नीचे दबने से मौत के मामले में हाईवे निर्माण करने वाली कंपनी के खिलाफ परिजनों की शिकायत पर खोड़ा थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

अजमेर : विजय दशमी के दिन ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह से गुजरते हुए

संपादकीय

विवादास्पद स्थल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का विजयादशमी का भाषण यद्यपि अनेक पहलुओं को समेटे हुए था। किंतु इसमें अयोध्या के विवादास्पद स्थल पर राममंदिर निर्माण के लिए केंद्र सरकार से आवश्यकता पड़ने पर कानून बनाने का सुझाव महत्त्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में संघ ने इसके पहले कभी सरकार का नाम लेकर मंदिर बनाने का रास्ता साफ करने की बात नहीं की थी। भागवत की बातों की सरकार अनदेखी नहीं कर सकती। इसके पहले संतों की उच्चाधिकार समिति ने विश्व हिन्दू परिषद के साथ बैठक कर ऐसा ही प्रस्ताव पारित किया था। कुल मिलाकर मोदी सरकार के सामने संघ, विहिप व संतों ने साफ विकल्प दे दिया है-या तो मंदिर निर्माण के लिए रास्ता साफ करिए, जरूरत हो तो संसद में विधेयक लाइए या फिर हमको नये सिरे से आपके बारे में विचारना पड़ेगा। सरकार की तरफ से अभी इस पर कोई बयान नहीं आया है। उसके लिए बयान देना आसान भी नहीं है। न यह कह सकती है कि हम संसद में विधेयक लाने को तैयार हैं, न ही यह कि हम इसके लिए तैयार नहीं हैं। किंतु उसे कोई न कोई फैसला करना पड़ेगा। विरोधी इसे चुनावी रणनीति के तहत दिया गया बयान कह रहे हैं। हालांकि बयान ऐसा है जिसमें भाजपा की चुनावी संभावनाओं पर ग्रहण लग सकता है। उसने मंदिर निर्माण की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया तो फिर यह उसके खिलाफचला जाएगा। मंदिर समर्थक चुनाव में उसके लिए काम नहीं करेंगे या संभव है कि उसके विरोध में काम करें। वैसे, देश चाहता है कि अयोध्या विवाद हल हो। आम धारणा है कि न्यायालय इसका समाधान कर दे या आपसी बातचीत से मामला सुलझ जाए। आपसी बातचीत से सुलझने की संभावना उसी स्थिति में होगी जब अयोध्या पर जारी राजनीति इससे दूर रहे। यह हो नहीं पाता। इसीलिए बातचीत के सारे प्रयास अभी तक विफल रहे हैं। तो रास्ता न्यायालय का रह जाता है। 29 अक्टूबर से सुप्रीम कोर्ट सुनवाई आरंभ शुरू कर रहा है। केंद्र के पास सबसे बेहतर विकल्प यही है कि वह कोर्ट से प्रतिदिन सुनवाई करके शीघ्र फैसला देने की अपील करे। कोर्ट में उसे अपनी कानूनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसा नहीं हो सकता कि केंद्र के वकीलों की फौज सही तरीके से बहस करे और कोर्ट अनसुनी कर दे। इसका शीघ्र फैसला देशहित में भी है।

प्रदूषण का माहोल

हरियाणा में धान की कटाई आरंभ होने के साथ किसानों द्वारा पराली जलाना हर उस व्यक्ति के चेहरे पर शिकन ला रहा है, जो वायु प्रदूषण के खतरे को समझता है। पिछले वर्ष दिल्ली जब प्रदूषण की भट्ठी में छटपटा रही थी तो केंद्र सरकार ने खुद पहल की दिल्ली सरकार, पंजाब सरकार तथा हरियाणा सरकार के साथ बातचीत की। केंद्र की ओर से यह बयान आया कि वह किसानों को पराली जलाने की बजाय दो विकल्प दे रहे हैं। एक, इससे इथेनॉल बनाया जाए; और दो, उसको काटकर खेतों में ही गाड़कर पानी द्वारा कंपोस्ट में बदला जाए। केंद्र ने अपनी ओर से 1100 करोड़ रुपये की राशि भी निर्गत की। इसमें राज्यों की जिम्मेवारी ज्यादा थी, और है। इथेनॉल बनाने के लिए निजी कंपनियों को पराली खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस दिशा में जितना काम होना चाहिए था, नहीं हुआ। केंद्र ने जो राशि निर्गत की उससे राज्यों के किसानों को पराली के डंठलों को छोटा करने के लिए हैप्पी सीडर मशीनें खरीदने के लिए सहायता देनी थी। किसानों को स्व सहायता समूह बनाकर मशीन खरीदने के लिए 75 प्रतिशत सब्सिडी और निजी तौर पर खरीदने के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी देने का प्रावधान है। जो जानकारी है, उसके मुताबिक अभी तक पंजाब ने करीब 3300 हैप्पी मशीनें खरीदी हैं। निश्चित रूप से इस कारण पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है, लेकिन थमी नहीं है। हरियाणा ने 40 प्रतिशत की कमी का दावा किया है। यह समझने की आवश्यकता है कि जब तक पराली खरीदने वाली कंपनियां तैयार नहीं होतीं, किसानों के बीच जाकर उन्हें पराली जलाने की जगह उसे कंपोस्ट में बदलने के लिए प्रेरित करना जरूरी है। उसके लिए उन्हें मशीनें खरीदने की सीख भी देनी होगी। केवल जुर्माने से डरकर किसान ऐसा करना बंद नहीं कर सकते। वैसे भी वोट का ध्यान रखते हुए कोई सरकार पराली जलाने वाले इतनी संख्या में किसानों पर जुर्माना लगा भी नहीं सकती। तो रास्ता यही है कि पराली ने जले, इसके लिए किसानों के सामने दूसरे लाभकारी विकल्प उनके घर तक पहुंचाए जाएं। वस्तुत: किसानों को पराली काटकर उसे खेतों में गाड़ने की मशीनों के लिए जितनी सहायता मिलनी चाहिए, नहीं मिल रही है। राज्य सरकारें अपनी जिम्मेवारी समझें। उनकी लापरवाही से उनका राज्य तो प्रदूषण की मार झेलता ही है, राजधानी दिल्ली के लोगों को भी अपने चपेट में ले रहा है।

''महागठबंधन की माया'

चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक पार्टियां मुद्दों को टटोलने, उन्हें धारदार बनाने और कई बार समूचे आख्यान को बदलने की कोशिशों में लग जाती हैं। कई बार यह संभव हो जाता है। अमूमन नहीं हो पाता है क्योंकि लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में परेशान करने वाले मुद्दे नीतियों का गड़बड़झाला और घोटाला या घोटालाकून तौर-तरीके इतने साफ होते हैं कि लोग विकल्प की तलाश करने लगते हैं। अब सवाल यह है कि क्या आख्यान बदल कर जनमत का रुख मोड़ा जा सकता है? सोशल मीडिया और ''पोस्ट ट्रूथ' के इस दौर में इसके नजारे अपने देश में ही नहीं, दुनिया भर खासकर अमेरिका में तो जरूर देखने को मिले हैं। लेकिन यहां सवाल चुनाव और सरकारों के कामकाज का है।

सतीश पेडणोकर

राम मंदिर के लिए कानून बनाने या अध्यादेश तक लाने की मांग के क्या मायने हैं? एक तो यह कि कानून बनाने के लिए समय अब काफी कम या नहीं रह गया है। संसद का पूर्ण सत्र शीतकालीन सत्र ही बचा है जिसमें यह संभव नहीं दिखता। इसीलिए अध्यादेश लाने की बात भी कह दी गई। हालांकि अध्यादेश आपात स्थितियों में ही लाया जाता है। फिर, यह मसला सुप्रीम कोर्ट में है जिसकी सुनवाई 29 अक्टूबर से हो सकती है। लेकिन यह अदालत पर ही निर्भर है। तो, क्या यह सुप्रीम कोर्ट को भी प्रभावित करने की कोशिश कहला सकती है? यह कहना तो मुश्किल है पर चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश तो साफ दिखती है। चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक पार्टियां मुद्दों को टटोलने, उन्हें धारदार बनाने और कई बार समूचे आख्यान को बदलने की कोशिशों में लग जाती हैं। कई बार यह संभव हो जाता है। अमूमन नहीं हो पाता है क्योंकि लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में परेशान करने वाले मुद्दे नीतियों का गड़बड़झाला और घोटाला या घोटालाकून तौर-तरीके इतने साफ होते हैं कि लोग विकल्प की तलाश करने लगते हैं। अब सवाल यह है कि क्या आख्यान बदल कर जनमत का रुख मोड़ा जा सकता है? सोशल मीडिया और ''पोस्ट ट्रुथ' के इस दौर में इसके नजारे अपने देश में ही नहीं, दुनिया भर खासकर अमेरिका में तो जरूर देखने को मिले हैं। लेकिन यहां सवाल चुनाव और सरकारों के कामकाज का है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्षी सरकारों वाले राज्यों के चुनावों में कहते आए हैं कि ''ये (विपक्षी पार्टियां) हमसे जवाब मांग रहे हैं। हम मौका आने पर पाई-पाई का हिसाब और जवाब देंगे।' लेकिन प्रधानमंत्री ''महागठबंधन की माया' पर तंज कसते दिखते हैं। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह लगातार कुछ ''चालीस लाख घुसपैठियों' की बात कर रहे हैं। और अब अपने दशहरा भाषण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत अयोध्या में राम मंदिर के लिए कानून बनाने या फिर अध्यादेश लाने तक की मांग कर रहे हैं। तो, क्या इन्हें आख्यान बदलने की कोशिश के रूप में देखा जाना चाहिए?यों तो कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी समेत तमाम विपक्षी नेता भी भाजपा सरकार और संघ परिवार पर हमलावर होने के अलावा कोई वैकल्पिक नीतिगत आख्यान पेश करते नहीं दिखते, लेकिन यह देखना दिलचस्प है कि सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से क्या हो रहा है? दरअसल, आख्यान बदलने की दरकार भी कम अहम नहीं है। हाल के कुछ चुनावों में लोगों द्वारा विकल्प की तलाश इतनी तेज दिखी है कि जनादेश एक तरफा लुढ़क जाता रहा है और पांच साल में ही कई इतिहास बना चुका है या रिकॉर्ड तोड़ चुका है। गौर कीजिए कि हाल के विधानसभा चुनावों और उसके फौरन बाद अगले साल आम चुनाव में भाजपा सरकारों को ही जवाब देना है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में धुर पूर्वोत्तर के मिजोरम और विंध्य पार दक्षिण के तेलंगाना को छोड़कर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मुख्य टक्कर भाजपा और कांग्रेस के बीच ही है, जो दिल्ली की गद्दी के एक मायने में मुख्य दावेदार हैं। इन राज्यों में भाजपा की सरकारें भी हैं और पिछले संसदीय चुनाव में इन जैसे कुछ राज्यों में भाजपा के पक्ष में लगभग एक तरफा जनादेश से ही केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीस साल बाद किसी एक पार्टी को बहुमत हासिल हो पाया था। इसलिए भी इन चुनावों को सेमी फाइनल कहा जा रहा है। तो, इन राज्यों में भाजपा को दोतरफा जवाब देना है। आखिर लोगों की नजर राज्य सरकारों के साथ-साथ केंद्र सरकार के कामकाज भी रहेगी। खासकर इसलिए कि पेट्रोल-डीजल की महंगाई, रुपये के लगातार कमजोर होने से रोजगार और अर्थव्यवस्था की बदहाली लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर सीधे असर डाल रही है। ये मुद्दे सीधे केंद्र सरकार के कामकाज से जुड़े हैं। यही नहीं, कृषि क्षेत्र की खस्ताहाली और समाज में विघटन की स्थितियां, दलित उत्पीड़न, मॉब लींचिंग जैसे मामले भी सर्वदेशीय हैं। इसलिए केंद्र के कामकाज पर भी लोगों की नजर होगी ही। फिर, मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान, छत्तीसगढ़ में रमन सिंह की तीन बार की सरकारों और राजस्थान में वसुंधरा राजे की सरकार के खिलाफ एंटी-इंकम्बेंसी भी है ही। कहने को तो ''खिचड़ी' या गठबंधन सरकार एनडीए की भी है मगर 1977 में जनता पार्टी, 1989 में राष्ट्रीय मोर्चा और 1996 में संयुक्त मोर्चा सरकारों की अस्थिरता का हवाला दिया जाता है। हालांकि यूपीए सरकार भी गठबंधन की ही थी जो दस साल तक टिकी रही। ''घुसपैठियों' का मसला असम के एनसीआर सूची के मजमून का है जिसमें चालीस लाख लोगों के नाम अभी छूटे हुए हैं, लेकिन अंतिम सूची दिसम्बर के बाद ही जाहिर होगी और उसे चुनौती देने का प्रावधान भी है। सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि तब तक उन्हें घुसपैठिए नहीं कहा जा सकता। फिर भी ये मुद्दे भावनाओं के तार तो छेड़ ही सकते हैं।लेकिन भावनाओं के तार छेड़ने का सबसे अधिक माद्दा अयोध्या में राम मंदिर के मुद्दे में है। और यह मुद्दा आरएसएस की ओर से आया है।

इससे एक तो यह साबित करता है कि आरएसएस भाजपा की सत्ता को कायम रखने को लेकर कितना संजीदा है और दूसरे, वह उन मुद्दों को भी ढंकने की कोशिश कर रहा है, जिनसे भाजपा सरकारों के प्रति मोहभंग की स्थितियां पैदा हो सकती हैं। अब आइए देखें कि मंदिर के लिए कानून बनाने या अध्यादेश तक लाने की मांग के क्या मायने हैं? एक तो यह कि कानून बनाने के लिए समय अब काफी कम या नहीं रह गया है। संसद का पूर्ण सत्र शीतकालीन सत्र ही बचा है जिसमें यह संभव नहीं दिखता। इसीलिए अध्यादेश लाने की बात भी कह दी गई। हालांकि अध्यादेश आपात स्थितियों में ही लाया जाता है। फिर, यह मसला सुप्रीम कोर्ट में है जिसकी सुनवाई 29 अक्टूबर से हो सकती है। लेकिन यह अदालत पर ही निर्भर है। तो, क्या यह सुप्रीम कोर्ट को भी प्रभावित करने की कोशिश कहला सकती है? यह कहना तो मुश्किल है पर चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश तो साफ दिखती है। वैसे, 1992 में जब बाबरी मस्जिद का विध्वंस हुआ था तब उत्तर प्रदेश में भाजपा की कल्याण सिंह सरकार सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दे चुकी थी कि वह कोई नुकसान नहीं होने देगी। लेकिन हुआ उलटा और उसका मुकदमा अभी चल रहा है।बहरहाल, अगले महीने और फिर अगले साल यह देखना वाकई दिलचस्प होगा कि कैसे-कैसे मुद्दे उभरते हैं और लोगों की उस पर कैसी प्रतिक्रिया होती है? जाहिर है, इसका एक अंदाजा 11 दिसम्बर को भी चल जाएगा जब विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आएंगे। शायद ये नतीजे ही तय करें कि अगले साल लोक सभा चुनावों के लिए कैसे मुद्दे उठेंगे और क्या राजनीतिक समीकरण बनेगा? वैसे, इस बार आरएसएस का भाजपा को पूरा समर्थन का अंदाजा सिर्फ अयोध्या में मंदिर की मांग से ही नहीं लगता, बल्कि संघ प्रमुख के कम से कम अनुसूचित जाति-जनजाति आरक्षण को निर्विवाद रूप से स्वीकार करने से भी जाहिर होता है। आखिर पिछले बिहार चुनाव में भाजपा को आरक्षण की समीक्षा का उनका बयान भारी पड़ा था। सो, देखिए आगे-आगे होता है क्या!

चलते चलते

भ्रष्टाचार

वण तो वैसे भी बहुत धीरजवाला नहीं था, बुरी तरह भड़क गया। अब तक जो हुआ, वही बहुत था। अब नहीं। भ्रष्टाचार का रावण बताया, बर्दाश्त किया। महंगाई का रावण कहा, सहन किया। आतंक, गरीबी, बेकारी का रावण, दिल पर पत्थर रखकर सब हजम कर लिया। पर एक सिर अकबर का-कुछ भी हो जाए यह नहीं होगा। पुतले जलाने का इतना ही शौक है, तो जाकर किसी और का पुतला जला हो, पर रावण की गर्दन पर अकबर का सिर, नहीं लगेगा। न अभी, न कभी।रामलीला कमेटी वालों ने समझाने की कोशिश की। जरा सा एडजस्ट कर भी लो। जहां इतना बर्दाश्त किया है, वहां जरा-सा और सही। पब्लिक की भावनाओं का सवाल है। वैसे भी पुतला जलाकर सब तुम्हारी हार का ही तो जश्न मनाते हैं। इस

भ्रष्टाचार का रावण बताया, बर्दाश्त किया। महंगाई का रावण कहा, सहन किया। आतंक, गरीबी, बेकारी का रावण, दिल पर पत्थर रखकर सब हजम कर लिया। पर एक सिर अकबर का-कुछ भी हो जाए यह नहीं होगा। पुतले जलाने का इतना ही शौक है, तो जाकर किसी और का पुतला जला हो, पर रावण की गर्दन पर अकबर का सिर, नहीं लगेगा।

बार उसमें अकबर साहब की हार का एक बच्चा सा जश्न भी सही, प्रॉब्लम क्या है? पर रावण शांत होने के बजाए और भड़क गया। मेरी तुलना अकबर से कर ही कैसे सकते हैं? मैं उठाकर ले जरूर गया था, पर मजाल है जो एक सीता ने भी मेरे खिलाफ जोर-जब्र की रत्ती भर शिकायत की हो। और अकबर? मजाल है जो उसके नीचे काम करने वाली एक पत्रकार ने उसे क्लीन चिट दी हो। और आप मेरे साथ उसका कनेक्शन जोड़ने पर तुले हैं। कमेटी वालों ने सफाई देकर बात संभालने की कोशिश की। नहीं वैसा कनेक्शन नहीं, हार का कनेक्शन। जैसे तुम मारे गए, वैसे ही अकबर साहब निकाले गए। इसका कनेक्शन तो मानना पड़ेगा-हारे हुओं वाला कनैक्शन। रावण फिर भी राजी न हुआ। उल्टे बहस करने लगा कि उसकी हार की तुलना अकबर के इस्तीफे से कैसे की जा सकती है? मैं आमने-सामने की लड़ाई में योद्धा की तरह लड़कर हारा। वह जनाब बेआबरू होने पर, मजबूरी में सरकार से निकाले गए। रही हार की बात तो, हार मानने का जिगरा भी तो चाहिए। अगला तो अभी इज्जत हतक का मुकदमा चलाएगा और, हर रोज और इज्जत हतक कराएगा। कहां वो और कहां मैं! आखिरकार, कमेटी वालों को ही हार माननी पड़ी। दाहरे पर दस सिर वाला रावण जला, पर उसमें अकबर का सिर नहीं था।

फोटोग्राफी...

नई दिल्ली में शनिवार को बेगुसराय से सांसद भोला सिंह के निधन के बाद उनके परिवारजनों को सांत्वना देते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

संविधान और कानून

कानून बना कर राममंदिर बनाने की मांग की है जो भारत के संविधान और कानून के बारे में उनकी खुद की अज्ञता अथवा आम लोगों के बड़े हिस्से की अज्ञानता से राजनीतिक लाभ उठाने की उनकी बदनीयती के अलावा और कुछ नहीं है। भारत एक धर्म-निरपेक्ष जनतांत्रिक राष्ट्र है जिसमें राज्य का काम एक समतावादी समाज के निर्माण के लिये जन-कल्याणकारी दिशा में नीतियां बना कर उन पर अमल करना निर्धारित है। मंदिर, मस्जिद, गिरजा या गुरु द्वारा बनाना राज्य का काम कतई नहीं है। राज्य अगर ऐसा कोई भी काम करता है तो वह संविधान के धर्मनिरपेक्ष चरित्र का खुला उल्लंघन होगा और इसीलिये उसे कानून की अदालत में चुनौती दे कर तत्काल निरस्त किया जा सकता है, बल्कि किया जायेगा। इसके अलावा, अयोध्या में राम मंदिर के मामले में तो कानून बना कर मंदिर बनाने का कोई भी कदम संविधान और कानून को दोहरे उल्लंघन का कदम होगा। अभी 28 अक्टूबर से सुप्रीम कोर्ट में इस मसले से जुड़े मामले पर रोज़ाना सुनवाई शुरू होने वाली है। इसके पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने अपने पिछले निर्णय में यह साफ कर दिया था कि वह राममंदिर या बाबरी मस्जिद के बनने या न बनने के सवाल पर विचार नहीं करेगा। अर्जुन की मछली की आंख की तरह उसकी नज़र सिर्फऔर सिर्फ बाबरी मस्जिद जिस जगह थी उस ज़मीन के मालिकाना हक़ से जुड़े दीवानी पहलू पर ही टिकी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के इस स्पष्टीकरण के बाद से ही वास्तव में राममंदिर की राजनीति में सुप्रीम कोर्ट को घसीट लाने की सारी कोशिशों पर पानी फिर गया था। इस बात को सारी दुनिया जानती है कि इस विवादित स्थल पर पिछले लगभग चार सौ साल से एक मस्जिद थी और वहां रामलला की मूर्ति तो चोरी-छिपे 1949 में बैठा कर ज़ोर-ज़बर्दस्ती एक मंदिरनुमा तंबू बना दिया गया है। इसीलिये हर कोई यह भी जानता है कि उस ज़मीन पर मालिकाना हक़ के मामले में राममंदिर वालों की जीत असंभव है। वे कानून के ऊपर अपनी आस्था को रखने की ज़िद ठाने हुए हैं, जो किसी भी धर्मनिरपेक्ष संविधान से चालित कानून के शासन में संवैधानिक तौर पर मान्य नहीं हो सकता है। सारे संघी नेता इस सच को जानते हैं, लेकिन वे यह मान कर चल रहे हैं कि इससे वे संभवत: एक नई और लंबी क़ानूनी लड़ाई का प्रारंभ कर पायेंगे, जिसका हर मौक़े-बेमौके वे राजनीतिक लाभ उठा पायेंगे। अर्थात, कानून बना कर राम मंदिर बनाने की बात राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ करने का कोई वास्तविक उपाय नहीं, आम लोगों को बरगलाने और सांप्रदायिक जहर फैलाने का एक प्रवंचनाकारी कदम भर होगा। अगर ऐसी कोई भी कोशिश की गई तो हम समझते हैं कि उस पर अदालत से रोक लगाने में एक क्षण का भी समय नहीं लगेगा। और, अगर कानून भी बनाया गया, तो उसकी नियति उसके पूरी तरह से खारिज हो जाने के अलावा दूसरी कुछ नहीं हो सकती है। धार्मिक आस्थावान लोगों के लिये इस पूरे विषय का सही, संविधान-सम्मत और न्यायसंगत एक मात्र समाधान यही है कि बाबरी मस्जिद की ज़मीन बाबरी मस्जिद वालों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सौंप दी जाए और उसके बगल में, यदि राममंदिर वालों को ज़मीन उपलब्ध हो तो उसे खरीद कर उस पर या अगल-बगल में कहीं भी भव्य राममंदिर बना दिया जाए। इसके अलावा, इस विषय पर ज़हरीली राजनीति हमारे राष्ट्र को अंदर से तोड़ने की राष्ट्र-विरोधी राजनीति होगी। दुर्भाग्य से राष्ट्रवाद की रट लगाने वाले ही आज देशमें सबसे अधिक राष्ट्र-विरोधी कामों में लगे हुए हैं।

सत्संग

पाप

आपने कहा कि हमारी कोई समस्या नहीं है, हमारी समस्याएं मौजूद ही नहीं हैं। मैं एक दमित कैथोलिक परिवार में पला-बढ़ा हूं और इक्कीस साल एक विक्षिप्त शिक्षा के माहौल में गुजारे हैं। क्या आप कह रहे हैं कि आदतों और दमन के सभी कवच मौजूद नहीं होते और तुरंत छोड़े जा सकते हैं? फिर उन चिह्नों का क्या होगा जो दिमाग पर और शरीर की मांसपेशियों पर छूट गए हैं? यह बहुत अर्थपूर्ण सवाल है। क्योंकि यह मनुष्य के कार्य करने की आंतरिक वास्तविकता के दो विभिन्न दृष्टिकोणों को दिखाता है। पश्चिमी दृष्टिकोण है समस्या के बारे में सोचना, समस्या के कारण ढूंढना, समस्या के इतिहास में जाना, समस्या के अतीत में जाना, समस्या को बिल्कुल जड़ से उखाड़ना, दिमाग के संस्कारों को खत्म करना, या दिमाग को पुन: अनुकूलित करना, शरीर को पुन: अनुकूलित करना, उन सभी चिह्नों को दूर करना जो दिमाग पर छूट गए हैं। यह पश्चिमी दृष्टिकोण है। मनोविश्लेषण स्मृति में जाता है; वहां काम करता है। यह तुम्हारे बचपन में जाता है, तुम्हारे अतीत में; यह पीछे की ओर गति करता है। ढूंढता है कि समस्या कहां से शुरू हुई थी। हो सकता है पचास साल पहले, जब तुम एक बच्चे थे, तुम्हारी समस्या तुम्हारी मां के साथ हुई थी। तब मनोविश्लेषण पीछे जा सकता है। पचास साल का इतिहास! यह बहुत लंबा घिसटता हुआ काम है। और तब भी शायद यह ज्यादा मदद नहीं करता क्योंकि समस्याएं लाखों हैं। यह एक समस्या का सवाल नहीं है। तुम एक समस्या के इतिहास में जा सकते हो, तुम अपनी आत्मकथा में देख सकते हो और कारणों को खोज सकते हो और शायद तुम एक समस्या को हल कर सकते हो, लेकिन लाखों समस्याएं हैं। एक जन्म की समस्याओं को हल करने के लिए यदि तुम हर समस्या में जा कर काम करना शुरू करोगे तो तुम्हें लाखों जन्मों की जरूरत पड़ेगी। यह बेवकूफी भरा है! अब, वही मनोविश्लेषण का दृष्टिकोण शरीर में प्रवेश कर चुका है: रोल्फिंग, बायो-एनर्जेटिक्स और अन्य तरीके हैं, जो शरीर से, मांसपेशियों से चिह्नों को मिटाने की कोशिश करते हैं। फिर से, तुम्हें शरीर के इतिहास में जाना होगा। लेकिन दोनों दृष्टिकोणों में एक चीज सुनिश्चित है, उनका सोचने का एक जैसा तर्कपूर्ण तरीका कि समस्या अतीत से आती है, इसलिए इससे अतीत में निबटना होगा।

सार समाचार

काबुल में मतदान केंद्रों पर धमाके, डर के साये में मतदान शुरू

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल में शनिवार को मतदान केंद्रों पर कई धमाके हुए । धमाके के दौरान केंद्रों पर मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे थे । इसके बाद अफगानिस्तान की राजधानी के उत्तर में एक स्कूल में मतदाता भागते दिखाई दिए। प्रत्यक्षदर्शियों ने अन्य मतदान केंद्रों पर भी धमाकों की सूचना दी है। लंबे समय बाद हो रहे संसदीय चुनावों में शनिवार को मतदान शुरू हुआ। देशभर में हजारों सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने मतदान की शुरूआत में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया । इसके बाद टेलीविजन पर दिए भाषण में उन्होंने एक अन्य चुनाव के लिए अफगानवासियों को बधाई दी और देश के सुदूरवर्ती हिस्सों तक बैलट ले जाने के लिए सुरक्षाबलों खासतौर से वायु सेना की प्रशंसा की। स्वतंत्र निर्वाचन आयोग ने 88 लाख लोगों को पंजीकृत किया है।

चीन में निर्मित दुनिया के सबसे बड़े उभयचर विमान का पहला सफल परीक्षण

बीजिंग। चीन में स्वदेश निर्मित तथा जल और थल दोनों सतहों पर कारगर विमान एजी600 ने शनिवार को पहले परीक्षण के तहत सफलतापूर्वक उड़ान भरी और लैंडिंग की । इसे दुनिया का सबसे बड़ा विमान कहा जा रहा है। चीन की सरकारी विमानन कंपनी एविएशन इंडस्ट्री कोरपोरेशन ऑफ चाइना द्वारा निर्मित इस विमान ने हूबेई प्रांत के जिंगमेन में उड़ान भरी और बाद में समुद्र में उतरा। सरकारी अखबार चाइना डेली ने बताया कि जलस्थलीय विमान ने स्थानीय समयानुसार सुबह आठ बजकर 51 मिनट पर झांघे जलाशय से उड़ान भरी और वह करीब 15 मिनट तक हवा में रहा। इस महीने की शुरूआत में इसने 145 किलोमीटर की गति के साथ पानी में चलने का पहला परीक्षण पूरा किया था। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, इसका इस्तेमाल मुख्यत- समुद्री बचाव, वन में आग लगने की स्थिति में बचाव कार्य और समुद्री निगरानी के लिए किया जाएगा।

मुस्लिम महिलाओं ने अगर ऑफिस मे हिजाब पहना तो देना पड़ेगा इस्तीफा!

कराची। पाकिस्तान में सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी से कहा गया कि या तो वह कार्यस्थल पर हिजाब न पहने या इस्तीफा दे दे। मुस्लिम बहुल देश में इस तरह का यह पहला मामला है। इस घटना के बाद से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई, जिसके चलते क्रिएटिव केओस कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जवाद कादिर को इस्तीफा देना पड़ा। महिला को उसके लाइन मैनेजर ने बताया कि वह अपनी नौकरी तभी सुरक्षित रख सकती हैं जब वह वह अपना हिजाब पहनना छोड़ेंगी। उन्होंने कहा कि हिजाब पहनने से कंपनी की 'सर्वव्यापी' छवि खराब होगी। महिला ने कहा कि अगर वह नौकरी छोड़ती है तो उसके पास दो इस्लामी बैंकों में नौकरी के प्रस्ताव हैं। कादिर ने शुरूआत में एक माफीनामा जारी कर घटना के महत्व को कम बताने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि महिला से इस्तीफा वापस लेने और अपनी नौकरी सामान्य रूप से शुरू करने को कहा गया। सॉफ्टवेयर कंपनी ने बाद में एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि 'कार्यस्थल पर भेदभाव' के लिए कादिर से पद छोड़ने को कहा गया। बोर्ड सदस्यों और सहयोगियों को भेजे गए ईमेल में कादिर ने कहा है कि वह सॉफ्टवेयर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से इस्तीफा दे रहे हैं । इस ईमेल का शीर्षक ''मेरा माफी मांगना पर्याप्त नहीं है।''

खशोगी की मौत पर भड़के ट्रंप, सऊदी अरब की सफाई को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वह पत्रकार जमाल खशोगी की मौत झगड़े में होने के सऊदी अरब के स्पष्टीकरण पर भरोसा करते हैं और उन्होंने खाड़ी देश द्वारा 18 लोगों की गिरफ्तारी को 'सराहनीय पहला कदम' बताया। सऊदी अरब ने शनिवार को 60 वर्षीय खशोगी के शव के बारे में कोई जानकारी दिए बिना कहा कि इस्तांबुल वाणिज्य दूतावास में झगड़े के बाद उनकी मौत हो गई थी।

अटॉर्नी जनरल शेख साद-अल-मोजेब ने एक बयान में कहा, ''प्रारंभिक जांच में पता चला कि उनके और उनसे मिलने वाले लोगों के बीच इस्तांबुल के सऊदी अरब वाणिज्य दूतावास में हुई चर्चा पहले विवाद और बाद में लड़ाई में बदल गई जिसके बाद जमाल खशोगी की मौत हो गई। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।'' सरकार ने बताया कि 18 सऊदी नागरिकों को आगे की जांच के लिए गिरफ्तार किया गया जबकि सऊदी खुफिया विभाग के उपनिदेशक अल-असीरी को पद से हटा दिया गया।

सऊदी की सफाई पर उनके विश्वास के संबंध में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'मुझे यकीन है।' उन्होंने कहा, 'एक बार फिर यह पूछना जल्दबाजी है। हमने अपनी समीक्षा, हमारी जांच खत्म नहीं की है। लेकिन मेरे विचार में यह एक सराहनीय पहला कदम है।' ट्रंप ने कहा कि सऊदी अधिकारियों के साथ बातचीत जारी रहेगी जिसमें खशोगी की मौत के पीछे की घटनाओं के उनके ब्योरों पर सवाल उठाना शामिल होगा । व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव सारा सैंडर्स ने कहा, 'खशोगी की मौत की पुष्टि के बारे में सुनकर हम दुखी हैं और हम उनके परिवार, मंगेतर एवं दोस्तों के प्रति गहरी सहानुभूति प्रकट करते हैं।'

हत्या के संबंध में जांच शुरू कर दी गई है। खशोगी की मौत की पुष्टि करने वाला सऊदी

अरब का बयान कुछ अमेरिकी सांसदों को विश्वसनीय नहीं लग रहा है जो इस घटना के लिए देश को जिम्मेदार ठहराने की मांग कर रहे हैं। हाउस आफ फॉरन अफेयर्स कमिटी रैंकिंग मेंबर इलियट एंजेल ने घटना का पूरा ब्यौरा मांगा। वहीं सांसद जिम कोस्टा ने कहा कि वह खशोगी की हत्या में सऊदी अधिकारियों के शामिल होने की खबरों से स्तंभित हैं।

व्हाइट हाउस ने पत्रकार खशोगी की मौत पर दुख जताया

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

व्हाइट हाउस ने शनिवार को कहा कि वह सऊदी अरब के पत्रकार जमाल खशोगी की मौत की पुष्टि के बारे में सुनकर 'दुखी' है। हालांकि उसकी तरफ से अमेरिका के बड़े सहयोगियों में से एक सऊदी अरब के खिलाफ किसी कार्रवाई के बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया। सऊदी अरब ने शनिवार को कहा कि इस्तांबुल वाणिज्य दूतावास में 'चर्चा' के विवाद का रूप ले लेने के बाद 60 वर्षीय खशोगी की दूतावास के भीतर ही हत्या कर दी गई थी। सरकार की ओर से फिलहाल खशोगी के शव के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव सारा सैंडर्स ने कहा, 'खशोगी की मौत की पुष्टि के बारे में सुनकर हम दुखी हैं और हम उनके परिवार, मंगेतर एवं दोस्तों के प्रति गहरी सहानुभूति प्रकट करते हैं।' इससे पहले सऊदी अरब ने एक बयान जारी कर बताया कि दूतावास के भीतर अज्ञात लोगों के साथ झगड़े में पत्रकार की मौत हो गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि सऊदी नेताओं ने खशोगी की मौत को लेकर उनसे कोई झूठ बोला है। ट्रंप ने सऊदी के बयान को विश्वसनीय मानते हुए कहा, ÷मुझे लगता है यह सराहनीय कदम है।÷सऊदी के अधिकारियों के मुताबिक 18 लोगों को हिरासत में लिया गया है और इस संबंध में जांच शुरू कर दी गई है।

राजनाथ सिंह से मिले श्रीलंकाई प्रधानमंत्री, सुरक्षा तथा आतंकवाद पर हुई बात

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने भारत दौरे पर आये श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के साथ शनिवार को मुलाकात की, इस दौरान सुरक्षा तथा आतंकवाद रोधी सहयोग के मसले पर दोनों नेताओं ने चर्चा की । दोनों नेताओं के बीच 30 मिनट तक बातचीत हुई । इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर बल दिया।

सिंह ने इस बैठक के बारे में ट्विटर पर जानकारी देते हुये बताया कि उनकी विक्रमसिंघे से हुई बातचीत बहुत लाभप्रद रही और उन्होंने क्षेत्र में आतंकवाद और सुरक्षा के संबंध में आपसी सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की।

श्रीलंकाई प्रधानमंत्री यहां तीन दिवसीय यात्रा पर आये हुये हैं । उनकी यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के मध्य व्यापार, निवेश और समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

अमेरिका में चार में से तीन एच1बी वीजा भारतीयों के पास: आधिकारिक रपट

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में एच-1बी वीजा रखने वाले हर चार में से तीन व्यक्ति भारतीय नागरिक हैं। अमेरिका की एक आधिकारिक रपट में यह जानकारी दी गयी है। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) की 'एच-1बी पेटिशन्स बाई जेंडर एंड कंट्री ऑफ बर्थ फिस्कल ईयर 2018' रिपोर्ट के मुताबिक, पांच अक्टूबर तक अमेरिका में एच-1 बी वीजा रखने वालों की संख्या 4,19,637 थी। इनमें से 3,09,986 भारतीय मूल के नागरिक हैं। एच-1 बी वीजा प्राप्त करने वाले भारतीयों में स्त्री-पुरूष असमानता बहुत अधिक है। विशेष सुविधा वाला यह वीजा रखने वाले 3,09,986 भारतीयों में केवल 63,220 यानी 20 प्रतिशत महिलाएं हैं। वहीं 2,45,517 यानी 79.2 प्रतिशत पुरूष हैं। एच-1बी वीजा रखने वाले 1,249 लोगों को लापता या अन्य की श्रेणी में रखा गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, कुल एच-1बी वीजा का करीब 73.9 फीसदी भारतीयों के पास है। इसके बाद चीन के लोगों की बारी आती है। उनके पास करीब 11.2 प्रतिशत एच-1बी वीजा हैं।

2019 में फिर हो सकती है ट्रंप और किम जोंग की महा-मुलाकात

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले साल के शुरू में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से दूसरी बार मुलाकात करने की संभावना है ताकि कोरियाई प्रायद्वीप में परमाणु निरस्त्रीकरण के लक्ष्य को हासिल किया जा सके । एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों को शुक्रवार को बताया कि ''अगले साल के शुरूआत में किसी भी समय'' बैठक होने की संभावना है। अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर यह जानकारी दी क्योंकि बैठक के कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

चीन में घूसखोरी के मामले में कारवाई शुरू, इंटरनेट के पूर्व प्रमुख को ठहराया गया दोषी

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन में इंटरनेट के एक पूर्व प्रमुख लू वेई को शुक्रवार को 46 लाख अमेरिकी डॉलर की घूस स्वीकारने का दोषी ठहराया गया. चीन में सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ने अनेक अफसरों के खिलाफ घूसखोरी के मामले में कारवाई शुरू की है. चीन के शक्तिशाली इंटरनेट नियामक साइबर स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ चीन (सीएसी) के प्रमुख वेई पर नेटवर्क और पदोन्नति जैसे मामलों में दूसरों को लाभ पहुंचाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप था. हांगकांग स्थित साऊथ चाइना मार्निंग पोस्ट ने खबर दी है कि वेई को पूर्वी झेजियांग प्रांत में इन्टरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ऑफ निनगबो में पेश किया गया जहां उन्होंने 46 लाख अमेरिकी डॉलर घूस लेने के आरोप को स्वीकार किया.

कई दशक लंबे करियर के दौरान वेई ने सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ, बीजिंग नगर पालिका समिति और सरकार, सीएसी और पार्टी के केन्द्रीय प्रचार विभाग में काम किया था. अदालत ने बताया कि लू ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और 'दुख जताया'.

अदालत ने अभी सजा सुनाने की तारीख निर्धारित नहीं की है. लू के आरोपों को स्वीकार करने के साथ ही सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपना अभियान जारी रखते हुये कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा की है. राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2012 में

सत्ता संभालने के बाद चीन में एक लाख से ज्यादा अधिकारियों को सजा सुनाया गया है.

अमृतसर ट्रेन दुर्घटना पर गुतारेस, ट्रुडो और पुतिन सहित दुनिया ने जताया दुख

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने अमृतसर में ट्रेन दुर्घटना में मारे गए 60 से अधिक लोगों के परिवार एवं मित्रों के प्रति संवेदनाएं जताई और इस घटना को ''दुखद'' बताया। गौरतलब है कि अमृतसर में जोड़ा फाटक के समीप शुक्रवार शाम को रावण दहन देखने के लिए रेल की पटरियों पर खड़े लोग एक ट्रेन की चपेट में आ गए जिसमें कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई और 72 अन्य घायल हो गए।

गुतारेस ने एक ट्वीट कर कहा, ''शुक्रवार की दुखद घटना के बाद मेरी संवेदनाएं अमृतसर के लोगों के साथ है। इस महीने मुझे स्वर्ण मंदिर जाने और लोगों का उत्साह तथा उदारता देखने का अवसर मिला था । इस हादसे में अपने परिवार के सदस्य और प्रियजन को गंवाने वाले लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।''

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी घटना पर दुख जताया। उन्होंने ट्विटर पर कहा, ''भारत के अमृतसर में दुखद ट्रेन हादसे में मारे गए अपने प्रियजन को गंवाने वाले लोगों के लिए मैं संवेदना व्यक्त करता हूं । कनाडावासी आज रात को अपने दिलों में आपको याद कर रहे हैं और वे घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।''

इस बीच, नयी दिल्ली में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने भी हादसे को लेकर भारत के प्रति संवेदनाएं जताई। रूसी दूतावास के अनुसार, पुतिन ने ट्रेन दुर्घटना पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी संवेदना प्रकट की। उन्होंने ट्रेन हादसे के पीड़ित परिवारों के प्रति अपना समर्थन जताया। पुतिन ने कहा, ''मैं पंजाब में रेल इस हादसे के दुखद परिणामों पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। हादसे में मारे गए लोगों के परिवार के सदस्यों तथा दोस्तों के प्रति मेरी संवेदना तथा समर्थन पहुंचाएं । मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।''

वेंकैया नायडू ने आतंकवाद को बताया सबसे बड़ा खतरा, कहा- इससे मिलकर लड़ना होगा

ब्रूसेल्स (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को यहां 12वें एशिया-यूरोप बैठक (एएसईएम) शिखर सम्मेलन के दौरान आतंकवाद को शांति और स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बताते हुए वैश्विक आतंकवाद पर व्यापक समझौते को जल्द पूरा करने का आह्वान किया. नायडू सम्मेलन में पूर्ण सत्र को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने ने गुरुवार को 12वें एशिया-यूरोप बैठक (एएसईएम) शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया था. इसकी थीम 'वैश्विक चुनौतियों के लिए वैश्विक साझेदार' है. उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत एएसईएम को ऐसे मंच के तौर पर अहमियत देता है जो वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एशिया और यूरोप के नेतृत्व को विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक साथ लाता है.

आतंकवाद को शांति और स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बताते हुए नायडू ने अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक समझौते को जल्द अपनाने का आह्वान किया और कहा कि तरक्की के लिए शांति पहली जरूरत है और आतंकवाद से लड़े बिना इसे हासिल नहीं किया जा सकता है.

उन्होंने कहा कि आर्थिक अपराधियों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति का गबन वित्तीय व्यवस्था पर भरोसे के लिए खतरा पेश कर रहा है. उपराष्ट्रपति ने आर्थिक अपराधियों को शरण नहीं देने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत बताई, जिसमें सूचना के स्वचालित आदान प्रदान के लिए तंत्र को बढ़ाना भी शामिल है. उन्होंने भारत सरकार की कई पहल, जिनमें समावेशी शासन, महिला कल्याण, टिकाऊ विकास और डिजिटलीकरण शामिल हैं, का उल्लेख किया.

सूरत। बेटी बचाओ और स्वच्छ भारत, स्वच्छ सूरत के साथ 25000 दीप जलाकर प्रजापति समाज ने लोगों में माटी के दीप जलाने का संदेश दिया।

ओपन हाउस का आयोजन कल

सूरत। सूरत आयकर विभाग द्वारा आगामी 23 अक्टूबर को ओपन हाउस का आयोजन किया गया है। जिसमें करदाता, उनके प्रतिनिधियों,व्यावसायियों को लाभ लेने के लिए अपील की गई है। ओपन हाउस के कारण इ-निवारण पोर्टल पर मिली शिकायत की सं या में कमी हुई है।

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड नई दिल्ली के दिशा निर्देशों के अनुसार सूरत आयकर विभाग द्वारा वर्तमान वर्ष सातवां ओपन हाउस का आयोजन किया गया है। ओपन हाउस के दौरान करदाताओं से प्राप्त होनेवाली शिकायत का आयकर विभाग द्वारा तत्काल समाधान किया जाता है। जिसके परिणाम से इ-निवारण पोर्टल पर मिलनेवाली शिकायतों की सं या में कमी हुई है। वहीं करदाताओं द्वारा दी जानेवाली सूचनाओं पर ध्यान दिया जाता है।

9वीं क्लास में पढने वाली मधु विश्वकर्मा ने सोटोकान कराटे में प्रथम गोल्ड लाकर विश्वकर्मा समाज का गौरव बढाया

सूरत। रूस्तमपुरा एस.एम.सी कोम्युनिटी हॉल में मधु विश्वकर्मा ने कराटे में प्रथम गोल्ड मैडल लाकर यह साबित कर दिया की लडकीया क्या कर सकती है और मधु विश्वकर्मा ने विश्वकर्मा समाज में महिलाओं का गौरव बढाया, ज्ञान ज्योति विद्यालय गोड़ादरा में पढाई करते हुए कराटे की प्रेक्टीस की और मधु के गोल्ड मैडल लाने में क्षेय उनके कौच राजेश जोशी और मधु के माता पिता को जाता है।

उल्लेखनिय है कि ज्ञानज्योति विद्यालय की छात्रा कराटे चौपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मैडल हासिल किया, खेल महाकुम्भ के अंतर्गत एसएमसीा कम्युनिटी हॉल रुस्तमपुरा में इंटर शोटोकॉन कराटे चौंपियनशिप का आयोजन किया गया जिसमें अंडर 26/17 वर्ष के आयु समूह व 35-40 किलोग्राम वजन के ग्रुप में मधु को प्रथम स्थान के साथ गोल्ड गैडल दिया गया। रविवार को समाज के कुछ जागरुक लोगों द्वारा उधना तीन रास्ता पर हितेश विश्वकर्मा(सामाजिक कार्यकर्ता), कृष्ण विश्वकर्मा राजेश विश्वकर्मा, भारत विश्वकर्मा, जितेन्द्र विश्वकर्मा, गोपाल विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, जीत लाल विश्वकर्मा, राजेश भाई जोशी, मानव जोशी, विजय विश्वकर्मा ने फुलों का गुलदस्ता देकर मधु विश्वकर्मा का स्वागत किया, और कराटे में गोल्ड मैडल लाने पर बधाई दी।

ट्रक की चपेट में युवक की मौत

सूरत। पूणा प्रियंका इन्टर सिटी के पास से बाइक पर गुजरते समय ट्रक चालक ने टक्कर मारने से लिंबायत का युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी उपचार दौरान मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मूल महाराष्ट्र के अमरावती जिला निवासी और लिंबायत के नीलगिरी सर्कल के पास गोविंदनगर निवासी सम्राट शामराव पाटिल (18) स्थानीय विस्तार में पिता के साथ हेल्मेट और चश्मा बिक्री कर परिवार का गुजारा चलाते है।

मनपा ने 12 मावा की दुकानों से 18 नमूने लेकर जांच के लिए भेजे

सूरत। त्यौहार को ध्यान में रखकर सूरत महानगर पालिका के आरोग्य विभाग द्वारा विविध मावा की दुकानों से नमूना लिए गए। 12 मावा भंडारों से 18 से पल लिए थे। इसमें दो जगहों से 180 किलो अखाद्य मावा मिलने पर उसे नष्ट किया गया। चंदी पड़वा का त्यौहार सूरतीलाला धूमधाम से मनाते है। केवल सूरत में ही चंदी पड़वा में घारी खाने का रिवाज है। घी मावा से बनाया जाता है। आगामी चंदी पड़वा का त्यौहार पर सूरत शहर विस्तार स्थित मावा की दुकानों में से पालिका के फूड विभाग द्वारा मावा के नमूने लिए गए थे। मनपा द्वारा 12 दुकानों में से 18 नमूने लिए गए। जांच दौरान दो मावा भंडार से 180 किलो अखाद्य मामला मिलने से मावा नष्ट कर संस्था को नोटिस भेजी गई। भागल स्थित क्रिष्ना मावा भंडार और जय अंबे मावा भंडार से अखाद्य मावा मिला था।

सीबीआई के अलावा पूरे पुलिसबेडा में खलबली

राकेश अस्थाना के विरूद्ध आखिर में एफआईआर दर्ज

मीट कारोबारी मोइन कुरेशी का केस बंद करवाने के बदले में अस्थाना पर दो करोड़ की रिश्वत लेने का आरोप

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्वासपात्र माने जाते और गुजरात केडर के आईपीएस ऑफिसर और फिलहाल सीबीआई के स्पेशियल डायरेक्टर राकेश अस्थाना के विरूद्ध आखिर में दो करोड़ रुपये की रिश्वत के केस में एफआईआर दर्ज की गई है अब बडौदा के लक्ष्मी विलास पेलेस में आयोजित हुए राकेश अस्थाना की बेटी की शानदार शादी के साथ जुड़े हुए १६ बिजनेसमैन की पूछताछ के लिए सीबीआई की टीम बडौदा आयी है और उनकी पूछताछ की जा रही है।

मीट कारोबारी मोइन कुरेशी का केस बंद करवाने के बदले में सीबीआई के डायरेक्टर राकेश अस्था ने दो करोड़ रुपये की रिश्वत लिए जाने के आरोप में सीबीआई द्वारा ही शिकायत दर्ज की गई है। जिसमें देश की इन्टेलिजेन्स एजेन्सी रो के स्पेशियल डायरेक्टर समंशकुमार गोयल का नाम भी शामिल है। एवीडेन्स एक्ट की धारा-१६४ के अनुसार सीबीआई ने मेजिस्ट्रेट के समक्ष टेलीफोन बातचीत, वॉट्सऐप मैसेज, मनी ट्रेल और स्टेटमेन्ट पेश किया है। यह शिकायत बाद बडौदा के लक्ष्मी विलास पेलेस में आयोजित हुए राकेश अस्थाना की बेटी की शानदार शादी के साथ जुड़े हुए समरजीतसिंह गायकवाड, पीयूष शाह सहित के १६ बिजनेसमैन की पूछताछ के लिए सीबीआई की टीम बडौदा आयी है और उनकी पूछताछ की जा रही है। राकेश अस्थाना की बेटी की शानदार शादी में कौन-कौन मेहमान थे, कितना खर्च हुआ सहित की जानकारियां सीबीआई की टीम ने लिया है यह जानकारी मिल रही है। मांस का व्यापारी मोइन कुरेशी हवाला द्वारा मुंबई, लंदन और यूरोप के अन्य शहरों में पैसे भेजने का आरोप है। ईडी ने छापेमारी के दौरान कई आभूषण और लेन-देन के संदिग्ध दस्तावेजों भी जब्त किए गए थे। इस आधार पर ईडी ने संबंधित ट्रान्जेक्शन की विस्तृत जानकारी कई अन्य देशों से मांगी थी। कुरेशी पर हवाला द्वारा २०० करोड़ रुपये विदेश में भेजने का आरोप है। कुरेशी २०११ से ही आयरकर विभाग के रडार पर था। लेकिन इसके विरूद्ध पहलीबार २०१४ में कार्रवाई की गई थी।

11 हजार तहसीलदारों की आज से अनिश्चितकालीन अवधि की राज्यव्यापी हड़ताल

सूरत। गुजरात राज्य के 11 हजार से अधिक तहसीलदार वर्षों पुराने प्रश्नों का समाधान लाने के लिए पिछले दो महीने से सरकार के खिलाफ जंग के मूड में हैं। सरकार को कई बार भाईबाप करके प्रश्न सुलझाने के लिए विनती की। कई कार्यक्रम किए। सरकार को जगाने का प्रयास करने के बावजूद सरकार ने कोई समाधान लाने की तैयारी नहीं दिखाई। सरकारी की नीति से नाराज हुए राज्यभर के तहसीलदार कम मंत्रियों ने आगामी 22 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर उतरने की घोषणा की है। राज्य के तहसीलदार कम मंत्री मंडल के प्रमुख भरत डी. आहीर का कहना था कि राज्य में कई सरकार आकर गई किंतु तहसीलदारों को सतानेवाली सवालों का समाधान नहीं लाई। पिछले दो महीने से तहसीलदारों ने राज्य सरकार को पेशकश किया है। काली पट्टी, पेन डाउन, मास सी.एल जैसे कई कार्यक्रम भी किए।

रेश्मा पटेल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की

पाटीदार शहीदों के परिजनों को नौकरी नहीं मिलने पर नाराजगी

रेश्मा पटेल ने भाजपा में रहकर अपनी पार्टी के विरूद्ध नाराजगी व्यक्त की : रेश्मा के बदले हुए रवैये से चर्चा

अहमदाबाद। पूर्व पास कन्वीनर रेश्मा पटेल की जैसे अचानक पाटीदारों की मांग याद आ गई हो इस तरह राज्य के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी को पत्र लिखा है। रेश्मा पटेल ने यह पत्र अपने फेसबुक अकाउन्ट पेज पर से मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। हालांकि, रेश्मा पटेल द्वारा सीएम को पत्र लिखने का रवैया और अचानक पाटीदार भाईयों की याद आ जाने से भाजपा के साथ-साथ पाटीदार समाज में भी काफी चर्चा और आश्चर्य का विषय बन गया है। दूसरी तरफ रेश्मा पटेल भी भाजपा से नाराज है क्या इस पर काफी चर्चा हो रही है।

पाटीदार आरक्षण आंदोलन बाद कुछ समय पहले भाजपा में शामिल हुई रेश्मा पटेल ने मुख्यमंत्री को लिखे हुए पत्र में बताया है कि, माननीय मुख्यमंत्री साहब,२१ अक्टूबर, २०१७ को मैं भाजपा में शामिल हुई थी।

आज एक वर्ष पूरा हो गया है। मैं सरकार को इस बारे में बताना चाहती हूं कि भाजपा में शामिल होते समय समाज की कुछ मांगों को पूरा करने की शर्तों के साथ हम बीजेपी में शामिल हुए थे। आज इसमें एक महत्वपूर्ण मांग शहीदों को नौकरी दिलाने की मांग भी पूरी नहीं हुई है। इस बात को मैं अपनी सेवा समझकर सरकार समक्ष मेरा पक्ष रख रही हूं और यह महत्वपूर्ण मागं को समाज हित में पूरा करने के लिए विनंती करती हूं। रेश्मा आगे लिखती है कि, मुझे जब भी मौका मिली तब मैं नेतागण के विरूद्ध समाज की यह महत्वपूर्ण मांगों को पूरा करने का प्रस्ताव रखती रही हूं लेकिन काफी दु:ख के साथ मुझे लिखना पडता है कि, अभी तक सिर्फ एक घायल भाई के परिवार को नौकरी मिली है। अन्य परिवार नौकरी से वंचित है। शहीद परिवार को नौकरी देने के लिए एक वर्ष का समय पर्याप्त है। एक वर्ष में सभी परिवार को नौकरी मिलने की प्रक्रिया पूरी होनी चाहिए थी, यह बात स्वाभाविक है। मैं सरकार को विनंती करती हूं कि यह प्रक्रिया जल्दी से पूरी की जाए। जिसकी वजह से शहीद परिवार के हकदार लाभार्थियों को नौकरी का लाभ मिले। इस तरह रेश्मा पटेल ने भाजपा में ही रहकर अपनी पार्टी के विरूद्ध नाराजगी व्यक्त की है।

12000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ धरे गए पीएसआई और कांस्टेबल

सूरत। एन्टी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने वलसाड जिले के वापी शहर पुलिस के पुलिस सब इंस्पैक्टर और कांस्टेबल को रु. 12000की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है7 जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले के वापी टाउन पुलिस थाने में शराब के मामले में पुलिस ने आरोपी से एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। पुलिस कांस्टेबल राजू सोन्याभाई कामडी को महिला आरोपी के पुत्र ने रु. 10000 दिए थे और दूसरे रु. 10000 दूसरे दिन देने का वादा किया था। शेष रकम के बारे में पुलिस कांस्टेबल ने आरोपी समेत उसके पुत्र से बातचीत कर रु. 10000 और रु. 2000 समेत कुल 12000 रुपए की रिश्वत मांगी थी। इस बीच महिला आरोपी के पुत्र ने एसीबी में शिकायत कर दी। जिसके आधार पर वलसाड एसीबी के पुलिस निरीक्षक एसआर पटेल ने वापी के गीतानगर पुलिस चौकी में रिश्वतखोरों को रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया। जिसमें पुलिस कांस्टेबल राजू सोन्याभाई कामडी और पुलिस उपनिरीक्षक एआर गामित फंस गए। एसीबी ने दोनों को रु. 12000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दी फिर भी पिछले पांच दिन से अभी भी मंदिर में किसी महिला की एन्ट्री नहीं हो सकी है। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश मुद्दे पर काफी विवाद हो रहा है। इसे लेकर खोखरा क्षेत्र में भी लोगों ने प्रदर्शन किया।

जूनागढ़ में शराब का जत्था जब्त होने के प्रकरण में

दो पीएसआई-एक एएसआई तत्काल प्रभाव से सस्पेन्ड हुए

अहमदाबाद। जूनागढ़ जिला के चोरवाड क्षेत्र में दो दिन पहले डीजी विजिलन्स स्कवोर्ड द्वारा की गई छापेमारी के दौरान शराब का बड़ा जत्था जब्त होने से स्थानीय पुलिस पर कार्रवाई की गई थी। पूरे मामले की गंभीरता और शराबबंदी रोकने में स्थानीय पुलिस की गंभीरता उदासीनता ध्यान में लेकर जूनागढ़ के एसपी सौरभसिंघ ने चोरवाड पुलिस के दो पीएसआई और एक एएसआई तत्काल प्रभाव से सस्पेन्ड कर दिया गया था। एक साथ तीन पुलिस अधिकारियों को सस्पेन्ड किए जाने से जूनागढ़ क्षेत्र सहित राज्यभर के पुलिसबेडा में सनसनी मच गई। जूनागढ़ के एसपी द्वारा दंड कार्रवाई के तहत सस्पेन्ड किए गए पुलिस अधिकारियों में पीएसआई एसके. मालम और एमटी. चुडासमा और एएसआई एसयु. कोडियातर शामिल है। जूनागढ़ जिला के चोरवाड क्षेत्र में दो दिन पहले डीजी विजिलन्स स्कवोर्ड द्वारा की गई छापेमारी के दौरान दो लाख की विदेशी शराब सहित का जत्था जब्त किए जाने से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। दूसरी तरफ, शराब के स्थानीय बुटलेगरों और शराब की तस्करी करते शख्सों में दहशत फैल चुकी है। डीजी विजिलन्स स्कवोर्ड द्वारा पूरे मामले में जरूरी जांच शुरू की गई थी लेकिन यह पूरे मामले में स्थानीय पुलिस की गंभीर उदासीनता सामने आई थी। जिसे ध्यान में लेकर जूनागढ़ के एसपी सौरभसिंघ ने तत्काल प्रभाव से चोरवाड पुलिस के दो पीएसआई और एक एएसआई को सस्पेन्ड कर दिया। जूनागढ़ एसपी की यह दंड कार्रवाई की वजह से पूरे जूनागढ़ क्षेत्र के अलावा राज्यभर के पुलिसबेडा में सनसनी मच गई। अहमदाबाद शहर सहित के अन्य शहरों में भी इस प्रकार से शराबबंदी को लागू नहीं कराने वाले पुलिस और बुटलेगरों के पास से हप्ता लेती पुलिस के विरूद्ध भी यहां के स्थानीय उच्च पुलिस अधिकारियों को भी ऐसी दंड कार्रवाई करनी चाहिए यह पर चर्चा तेज हो गई है।

अमरेली निकट गोखरवाला के पास की घटना

स्वामीनारायण के संतों की कार-बोलेरो के बीच दुर्घटना

अहमदाबाद। अमरेली के निकट गोखरवाला के पास बोलेरो पीकअप जीप और स्वामीनारायण संप्रदाय के संतों की कार के बीच भीषण दुर्घटना होने पर संत सहित तीन व्यक्तियों को गंभीर चोटें आयी थी। घायलों को १०८ के द्वारा निकट के उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन उपचार के दौरान एक संत की मौत होने पर स्वामीनारायण संप्रदाय में शोक की लहर फैल गई है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, अमरेली निकट गोखरवाला के पास मालसामान भरा पीकअप बोलेरो और स्वामीनारायण संप्रदाय की कार के बीच दुर्घटना हुई थी। दुर्घटना इतनी प्रचंड थी कि, बोलेरो और संतों की कार की टक्कर से दोनों वाहनों के आगे का हिस्सा टूट गया था। संतों की कार बोलेरो की टक्कर के कारण रास्ते की साइड में चला गया। जिसमें सवार सावरकुंडला स्वामीनारायण मंदिर के संत प्रेमस्वरूपदास कोठारी सहित तीन को गंभीर चोटें आयी जिसकी वजह से सभी को उपचार के लिए अमरेली की सीविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन उपचार के दौरान संत प्रेमस्वरूपदास स्वामी की मौत होने पर स्वामीनारायण संप्रदाय में शोक की लहर फैल गई है। दुर्घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई।

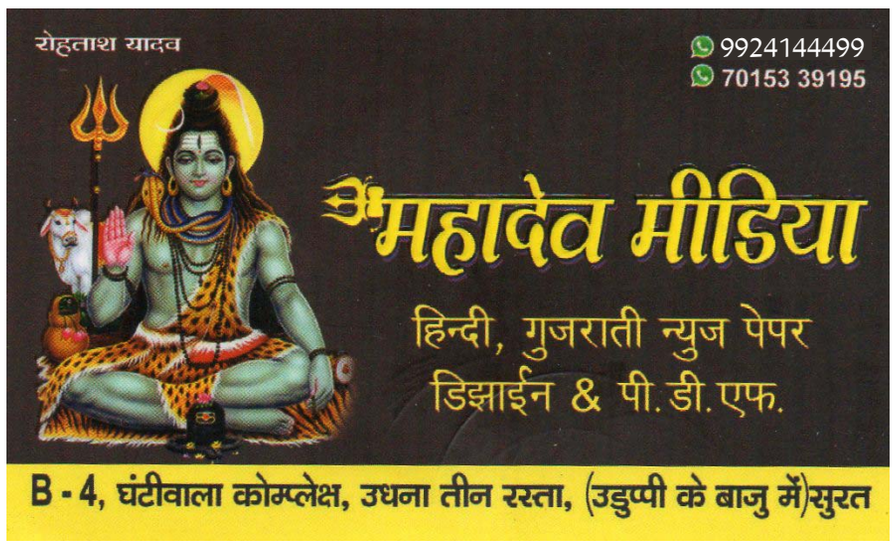

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com